विधानसभा सत्र फरवरी–मार्च 2016
विधानसभा प्रश्न क्र. 740 (अतारांकित)
परिशिष्ट ''क''

कार्यक्रम की उपलब्धियां व ब्यौरा :–

मध्यप्रदेश दृष्टि पत्र 2018 में महिलाओं के सशक्तिकरण का राज्य के विकास में समुचित उपयोग करने का लक्ष्य नियत है। इस लक्ष्य को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट जिला सतना के माध्यम से समाज कार्य स्नातक पाठ्यक्रम (सामाजिक नेतृत्व) के लिये मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास नाम से अभिनव कार्यक्रम संचालित किया गया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मंत्री, म.प्र. शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दिनांक 12.02. 2015 को चित्रकूट में किया गया है।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में एसे उर्जावान युवक एवं युवतियों को तैयार करना है जिन्हें क्षेत्र के विकास की अच्छी समझ हो, जो क्षेत्र की समस्याओं की पहचान कर उसके निदान के लिए निर्णायक पहल कर सकें। यह तीन वर्षीय पाठ्यक्रम दूरवर्ती शिक्षण पद्धिति से महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया जायेगा। समाज कार्य के क्षेत्र में क्रियान्वयित होने वाले इस पाठ्यक्रम में अध्ययनरत अभ्यार्थियों के सफलता पूर्वक एक वर्ष अध्ययन पूर्ण करने पर सर्टिफिकेट, सफलता पूर्वक दो वर्ष अध्ययन पूर्ण करने पर डिप्लोमा एवं सफलता पूर्वक तीन वर्ष पूर्ण करने पर डिग्री संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्य किये जाने का प्रावधान है।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट जिला सतना के माध्यम से प्रदेश के सभी 51 जिलों में अध्ययन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। इस पाठ्यक्रम के सफल संचालन हेतु प्रत्येक जिले में 6 परामर्शदाता (मेन्टर) चयनित किये जाकर उनका प्रशिक्षण विश्वविद्यालय में कराया गया है। पाठ्यक्रम में दूरवर्ती शिक्षण पद्धति से समाजकार्य स्नातक पाठ्यक्रम (सामुदायिक नेतृत्व) बीएसडब्ल्यू (कम्युनिटी लीडरशिप), के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की कक्षाओं का शुभारंभ 05 जुलाई 2015 को किया गया है। पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक एवं परियोजना अधिकारियों को नामांकित किया गया है। वर्तमान में 2040 अभ्यार्थी समाजकार्य स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की कक्षाओं में अध्ययनरत् हैं। इस कार्यक्रम के विस्तार के रूप में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के सभी 89 आदिवासी विकास खण्डों में तथा 224 गैर आदिवासी विकास खण्डों में समाजकार्य स्नातक पाठ्यक्रम (सामुदायिक नेतृत्व) के प्रथम वर्ष की कक्षायें संचालित की गई हैं जिसमें 12520 अभ्यार्थी अध्ययनरत् हैं।

(संजय सिसोदिया)
संयुक्त संचालक
एकीकृत बाल विकास
सेवा, म0प्र0

अनुभाग अधिकारी
मध्य प्रदेश शासन,
महिला एवं बाल विकास विभाग,
मंत्रालय, भोपाल

विधानसभा सत्र फरवरी–मार्च 2016
विधानसभा प्रश्न क्र. 740 (अतारांकित)
परिशिष्ट ''ख''

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के प्रशिक्षण मापदण्ड :–

समाजकार्य स्नातक पाठ्यक्रम (सामुदायिक नेतृत्व) के अभ्यार्थियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। ऐसे व्यक्ति जिन्होने समाज में सक्रिय भागीदारी से अपनी नेतृत्व क्षमता की पहचान प्राप्त की हो यह कार्यक्रम मुख्यत: महिलाओं के लिये है परन्तु इसमें पुरूष प्रशिक्षार्थी भी भाग ले सकते हैं किन्तु उनकी संख्या कुल प्रशिणार्थियों के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। इस कार्यक्रम में इच्छुक विभागीय अधिकारी व कर्मचारी भी भाग ले सकेंगे।

(संजय सिसोदिया)
संयुक्त संचालक
एकीकृत बाल विकास
सेवा, म.प्र.

अनुभाग अधिकारी
मध्य प्रदेश शासन,
महिला एवं बाल विकास विभाग,
मंत्रालय, भोपाल